एकल नारी की आवाज

अंक : 50 , माह : मई, वर्ष : 2022, निजी प्रसार हेतु

बहिनादूज ''जश्न बहिनचारें का''ने मचाई राजस्थान मे धूम

(जिला, ब्लाक व पंचायत स्तर पर बहिनों ने धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया)

बहिनादूज कार्यक्रम में जोशपूर्ण नारे लगाती सदस्यायें और संबोधित करती महिला अधिकारी

लाल चुनरियां ओढेंगे, बहिनादूज मनायेंगे।
बहिनचारे के ज़श्न में, हम सब संग में ...

इस प्रकार के जोशपूर्ण नारेा, गीतो ,ढोल व डीजे के साथ एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा दिनांक 08-13 नवम्बर, 2021 तक राजस्थान के 27 जिलो की 75 ब्लाक की 226 पंचायतों मे धूमधाम व उत्साहपूर्वक बहिनादूज जश्न बहिनचारें का त्यौहार मनाया गया। जिसमें 5418 एकल महिला व 210 जनप्रतिनिधी, मिडियाकर्मी, आंगनबाडी कार्यकर्ता व अन्य सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बहिनचारें को मजबूती देना ताकि महिला का महिला से ओर अधिक रिश्ता मजबूत हो एक दूसरें के संघर्ष व दुख सुख मे साथ खड़ी हो व संगठित होकर अपनी व अन्य बहिनों की मदद करे। इस कार्यक्रम मे सभी जाति, धर्म समुदाय की बहिने बढ़ चढकर भाग लेती है, जिससें सामाजिक साम्प्रदायिक सोहार्द की भावना को ओर मजबूती मिले।

इस छः दिवसीय आयोजन मे बहिनों के द्वारा जिला स्तर , ब्लाक स्तर व पंचायत स्तर पर धूमधाम से इस

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मुख्यमंत्री राजस्थान को भेजे पोस्टकार्ड

राजस्थान के 27 जिलों की एकल महिलाओं ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को 8500 पोस्ट कार्ड डाले। जिसमें राजस्थान मे खाद्य सुरक्षा पोर्टल जल्दी वापस शुरु करने, पैंशन राशि 3000 रु. करने, एकल महिलाओं को आवास योजनाओं में प्राथमिकता, जैसी समस्याओं व व्यक्तिगत समस्याओ लेकर पोस्टकार्ड भेजे।

प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

एकल महिलाओं द्वारा राजस्थान के 27 जिलों के 75 ब्लॉकों से भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नाम अपनी समस्याओं का ज्ञापन भेजा गया ।

जिसमें पेंशन राशि 3000 रुपये मासिक तक बढाने, राशन का अनाज 5 किलो से 15 किलो प्रति व्यक्ति करने, एकल महिलाओं को आवास उपलब्ध करवाने व घरेलू गैस सिलेण्डर के दाम कम करने व सब्सिडी वापस शुरू करने से जुड़ी मांगे भेजी गई।

राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की बैठक आयोजित

कोविड काल में भोजन–ईलाज नहीं मिलने से मर गए कई – दलजीत

दस राज्यों की एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं का मंथन
समस्याओं व अधिकारों पर चर्चा कर बनाई संघर्ष की रणनिति

उदयपुर। दिनांक 8 से 10 दिसम्बर 2021 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर में आयोजित राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की बैठक में देश के दस राज्यों राजस्थान, झारखण्ड, गुजरात, तेलगांना, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली व मध्यप्रदेश की 35 एकल महिला नैतृत्कर्ताओं ने भाग लिया। बैठक मे 10 राज्यों से आई एकल महिला नैतृत्वतकर्ताओं ने एकल महिलाओं की समस्याओं, खासकर कोविड काल में आई परेशानियों और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष की रणनिति पर मंथन किया। तीन दिवसीय मंथन के समापन अवसर पर पंजाब की दलजीत कौर ने बताया : कि कोविड काल मे ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग एकल महिलाओं को कई आर्थिक परेशानियां झेलनी पड़ी है। उन्होंने नम आंखो से बताया कि उनके संगठन क्षेत्र में 23 बुजुर्ग एकल महिलाओं का समय पर खाना व ईलाज नहीं मिलने से निधन हो गया। संगठन भी इन तक नही पहुंच सका। दम तोड़ देने वाली महिलाओं की समाज या सरकार ने कोई गिनती भी नहीं की। इसी प्रकार दिल्ली की हीरावती ने बताया कि कोविड काल में काफी महिलाओं का घरों में काम छूट गया और अब तक काम नहीं मिल पाया। एकल महिलाओं के पास आमदनी का कोई जरिया नही है। घरेलू कामगारों की गिनती नही होने के कारण सरकार से इन्हें कोई सरकारी सुविधा भी नही पहुँच पा रही है।

जाँच तक नहीं हुई और मर गये लोग : राजस्थान के सलूम्बर की पार्वती बहन ने बताया कि आदिवासी क्षेत्र के सूदूर गांवो में लोग संक्रमित हुए लेकिन लॉकडाउन के चलते यातायात साधनों के अभाव में ईलाज के लिए कस्बों एवं शहर तक नही पहुँच पाऐ। इलाज नही होने से बहुत से लोगो की मृत्यु हो गई। मृतको के परिवारों को कोई सहारा नहीं मिल पा रहा है। राजस्थान सरकार की घोषणा के बावजूद बिना दस्तावेज के सहायता मिलना मुश्किल है।

सहृदय धन्यवाद

बहिनादूज जश्न बहिनचारें का कार्यक्रम को सफल बनाने हेतू सभी बहिन व भाई सहयोगी साथी जिन्होंने संस्थान को चन्दा व सहयोग करके इस बहिनादूज कार्यक्रम को सफल बनाने मे सहयोग व भागीदारी निभाई है। उन्हें हम सब संगठन की बहिनों की ओर से सहृदय से धन्यवाद प्रदान करते है और आशा करते है कि आगे भी आपका सहयोग हमें ऐसे ही मिलता रहेगा।

आप सभी के सहयोग से ''केश एण्ड काईन्ड्स'' के रुप मे संस्थान को सहयोग व राशि : 1,22,045.00 (अक्षरे :- एक लाख बाईस हजार पैतालिस रुपये) प्राप्त हुई। भविष्य में पुनः आपके सहयोग की आशा के साथ।

बहिनों से हक त्याग की अपील तहसीलदार को पड़ गई भारी ...

अब ना बनाओं कोई नया किस्सा, बेटियों को दो जमीन सम्पत्ति मे हिस्सा...

कोटा। 22 अगस्त 2021 को रक्षा बन्धन के मौके पर कोटा जिले की दीगोद तहसील के तहसीलदार द्वारा रक्षा बन्धन के मौके को यादगार बनाने हेतू बहिनों से स्वैच्छिक हक त्याग करने की अपील जारी कर दी गई। जिस समय सभी बहिने अपने पीहर मे अपने भाईयों को राखी बांधने गई हुई थी। इस विज्ञप्ति के बारें मे संगठन की समन्वयक चन्द्रकला शर्मा को रात्रि मे एक मिडिया कर्मी का फोन आया, ओर उन्होंने जानना चाहा कि तहसीदार द्वारा कि गई अपील के बारें में आपका विचार क्या है ? चन्द्रकला शर्मा ने अपने वर्जन मे संगठन की तरफ से इस तरह की सोच व नजरिया रखने को नकारा ओर इसका विरोध किया। इस तरह की यह खबर जानने के बाद संगठन सदस्यों द्वारा इसका विरोध किया गया व बाकि महिला संगठनो के साथ सम्पर्क कर उनको पूरी जानकारी दी, साथ ही कोटा डिविजनल कमीश्नर व मुख्यमंत्री को संगठन द्वारा तहसीलदार द्वारा की गई बहिनों के स्वैच्छिक हक त्याग की अपील के लिए सार्वजनिक रुप से माफी मांगने व निलम्बित करने हेतू ज्ञापन भेजा गया। एकल नारी शक्ति संगठन के नैतृत्व में उठाये गये इस मुद्दे से दो दिन बाद दिनांक 24.08.2021 पर तहसीलदार को निलम्बित किया गया।

राजस्थान की जनता चाहती है जवाबदेही कानून

सवाल ही सवाल है, जवाब दो–जवाब दो।

जनता के हित में सरकार द्वारा अधिकाधिक योजनाऐं बनाने के संकल्प के बावजूद जब तक लोगों के हाथ में इन योजनाओं के उचित क्रियान्वयन की देखरेख और निगरानी का अधिकार नहीं होगा तब तक यह योजनाऐं ठीक से काम नहीं करेंगी। इसका कारण सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों और जनप्रतिधियों का अपने दायित्व का पालन करने में अकुशल, असफल और संवेदनहीन होना भी है। ऐसे में बेहतरीन काम करने वाले चुनिन्दा सरकारी कर्मचारियों पर बोझ बहुत अधिक बढ़ जाता है और वे यह भार उठा पाने मे असमर्थ होते हैं। इसलिए हमारा मानना है कि सिर्फ प्रभावी डिजिटल व्यवस्थाओं और प्रतिबद्व कर्मचारियों के होने मात्र से ही उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित नहीं होगा और जवाबदेही तय नहीं होगी। इसलिए बहुत जरुरी है कि प्रभावी जवाबदेही कानून लागू किया जाये।

सूचना एवं रोजगार अधिकार अभियान राजस्थान के बैनर तले सौ से भी अधिक जन-संगठनों, अभियानों, नागरिक संगठनों /समूहों आदि के साथ एक 45 दिवसीय जवाबदेही यात्रा निकाली जा रही थी, जो कि 20 दिसम्बर 2021 से यात्रा शुरु होकर 6 जनवरी, 22 तक 12 जिलों मे गई। वहां इसे लोगों का भारी समर्थन मिला, लेकिन कोविड के नये वेरिएंट के तैजी से फैलने के कारण राजस्थान सरकार की कोविड गाईड लाईन की पालना करते हुऐ 6 जनवरी, 2022 को कोटा प्रेस क्लब मे यात्रा स्थगित करने की घोषणा करनी पड़ी। लेकिन यह निर्णय भी लिया कि आन्दोलन जारी रहेगा। राजस्थान की जनता विगत् 10 साल से जवाबदेही कानून की मांग को लेकर आन्दोलनरत है। जवाबदेही से राजस्थान पारदर्शी, जवाबदेही और लोकतांत्रिक शासन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

संगठन सदस्यों ने पुलिस से करवायी एकल महिला की मदद

नागौर। नागौर जिले के ब्लॉक- डेगाना की देवकी बाई उसका पति 9 साल से अचानक लापता हो गया था। वह कई बार थाने में गई लेकिन उसके देवर-जेठ के कहने से पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने से मना कर दिया। देवकी बाई के देवर जेठ भी उसे धमकाते थे कि कोई रिर्पोट दर्ज नहीं करवायेगी। इस कारण से देवकी बाई पिछले 9 माह से किसी भी प्रकार की सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रही थी साथ ही उसकी आर्थिक स्थिती भी दयनीय हो गई थी। पिछले डेढ वर्ष से कोरोना के कारण देवकी बाई के आर्थिक हालात बद से बदतर हो गये। खाने के भी टोटे पड़ रहे थे। ऐसे में देवकी बाई ने अपनी सारी बात संगठन की मिटिंग में आकर बताई। देवकी की बात सुन व समझकर संगठन सदस्य देवकी बाई के साथ थाने पहुंचे। थाने में पुलिस स्टॉफ को पूरी जानकारी दी और बताया कि लोकडाउन के कारण देवकी बाई की आर्थिक स्थिती बहुत दयनीय हो गई है। आप लोगों के कार्यवाही नहीं करने के कारण इसे किसी भी प्रकार की सरकारी योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। अंत में संगठन के प्रभाव को देखकर पुलिस हरकत में आयी और देवकी के पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की तथा उसके देवर-जेठ को भी देवकी बाई को परेशान न करने के लिए पाबंद किया। साथ ही उसके घर पर राशन पहुंचाने की व्यवस्था भी शुरू की गई। कोरोना की दूसरी लहर में भी पुलिस ने उसका ध्यान तो रखा ही साथ ही हर संभव मदद भी प्रारंभ की।

~~~ गीत ~~~

जवाब दो जवाब दो, कल नहीं-जी आज दो
अरजियों पे अरजियां, आप की ही मरज़ीयां
गरमीयां हों बारिशें, चाहे आये सरदीयां
पूछती हैं अरजियाँ, जवाब दो, जवाब दो
ये फाईलों पे फाईलों पे फाईलों का ढ़ेर है
धूल खाये फैसले, कैसा ये अंधेर है
पूछती है फाइले, जवाब दो जवाब दो
आज अग़रना हो सका, कल तो हो ही जायेगा
सुन-सुन के रात-दिन, साल चला जायेगा
पूछते है साल ये, जवाब दो जवाब दो
तारीखों पे तारीखें, पेशीयों पे पेशीयाँ
थक गई है जिंदगी, राह देखे पीढीयाँ
पूछती है पेशीयाँ, जवाब दो जवाब दो
आप की दहलीज़ पे , शहर खड़ा गांव भी
चल रही है धड़कनें, चल रहे है पाँव भी
धडकनों को पाँव के निशान का जवाब दो।

बस कन्डक्टर की बदसलूकी के लिए उसे सिखाया सबक

अधिकार अपने आप का–नहीं किसी के बाप का।

बाड़मेर। मनीषा एक 29 वर्षीय विशेष योग्यजन (ब्लाइन्ड) लड़की है, जो कि जैसलमेर जिले के पोकरण ब्लॉक में रहती है। मनीषा अपने भाई के साथ पोकरण से बाड़मेर की रोड़वेज सरकारी बस में सफर कर रही थी। बस में बहुत भीड़ थी। ऐसे में मनीषा खड़ी थी उसने कन्डक्टर को कहा कि विशेष योग्यजन की सीट आरक्षित है, तो आप मुझे सीट दे दीजिए, ऐसे मे कन्डक्टर चिढ़ गया। वह लड़की के साथ बदतमीजी से बात करने लगा। वह लड़की को रास्ते में ही बस से उतारने के लिए तैयार हो गया। ऐसे में लड़की ने संगठन कार्यकर्ता पप्पू देवी को फोन किया चूंकि मनीषा के गांव मे संगठन की मिटिंग होती रहती है। इसलिए उसके पास संगठन कार्यकर्ता पप्पू देवी के मोबाइल नम्बर थे। उसने तुरन्त बस में से ही पप्पू देवी को फोन किया व सारी घटना बताई। पप्पू देवी ने कहा कि मैं बाडमेर में ही हूँ, तुम आ जाओ ! कुछ समय बाद मनीषा अपने भाई के साथ उसी बस में बाडमेर पहुंची। उसी समय पप्पू देवी संगठन की 3-4 महिलाओं के साथ मनीषा को रोडवेज के अधिकारी के पास लेकर गई व सारी घटना बतायी। उसके बाद संगठन सदस्य बाड़मेर कलेक्टर से मिले व कंडक्टर की शिकायत की, जिला कलेक्टर व रोडवेज अधिकारी ने तुरन्त बस कन्डक्टर को सस्पेंड कर दिया। फिर कुछ दिन बाद बस कन्डक्टर मनीषा के घर आया उसके माता-पिता के पैर पकड़ लिए अपनी गलती के लिये माफी मांगी और राजीनामा करने की बात कही। यह भी बोला कि मैं आप जो कहोगे वह करने को तैयार हूँ, आपको हुई मानसिक संताप्तना के लिए भी हर्जाना भरने को तैयार हूँ, परन्तु आप मेरा कैस वापस ले लिजिए, मेरा परिवार भूखे मर जायेगा। ऐसे में मनीषा व उसके परिवार ने उससे लिखित में माफी नामा लिया व आगे से भविष्य में किसी महिला से बदतमीजी नहीं करने के लिए पाबन्द किया। मनीषा ने कहा कि पैसे से कुछ नहीं होता इन्सान के लिए उसका मान सम्मान व अधिकार ज्यादा महत्वपूर्ण है और उसे माफ कर दिया। इस प्रकार मनीषा ने हिम्मत न हारकर अपने हक की आवाज को उठाया और मिसाल कायम की। मनीषा व उसके परिवार ने संगठन को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया व सरकारी अधिकारी भी संगठन के कार्य से बहुत प्रभावित हुये।

महिला किसान प्रयोग जागरुकता कार्यक्रम

शुरूआत भले ही मुश्किल हो, लेकिन भविष्य उज्जवल होगा।

एकल नारी शक्ति संगठन राजस्थान के 8 जिलों के 16 ब्लॉक की 32 पंचायतों में किसान महिलाओं के साथ खेती किसानी प्रयोग जागरुकता कार्यक्रम पिछले 2 साल से आयोजित कर रहा है। जिसके तहत् खेती किसानी के कार्य से जुड़ी महिला किसानों की आय बढ़ाने हेतू अलग-अलग प्रयोग किसान बहिनों के साथ किये जा रहे हैं ताकि उनकी महिला किसान के रुप में पहचान बने व अपनी आय बढ़ा सके। उसके साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाकर अपने परिवार के पोषण का ध्यान रख सके।

1. किचन गार्डन - महिलाओं को पोषण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से उनके घर, आंगन और खेत में थोड़े पानी से भी मौसमी सब्जियां उगाने का प्रयोग किया है। इसी क्रम में लगभग सभी समूह की 4-5 महिलाएं मौसम के अनुसार टमाटर, बैंगन, सेमफली, पालक, मैथी, धनिया, लहसुन, प्याज, मूली, मिर्च, भीण्डी, ग्वार, तुरई, लौकी आदि उगाकर उपयोग कर रही हैं।

2. वर्मीकम्पोस्ट और देशी खाद बनाना- पीण्डवाड़ा और झाड़ोल की 3-3 महिलाओं ने वर्मी कम्पोस्ट तैयार किया है। गड्डे बनाकर खाद बनाना और केंचुआ खाद नियमित रूप से बना रही हैं।

3. देशी व जैविक खाद का उपयोग - मक्का, चावल, अरबी, रतालु, सफेद मूसली, अदरक, हल्दी, मिर्च, तुअर आदि की फसलें पक कर तैयार हुई है। महिला किसानों के घर पर कृषि फसलों से अतिरिक्त आय के साथ घर पर खाने के लिए पर्याप्त अनाज हुआ है जिससे घर परिवार को पोषण मिला है। महिलाओं का कहना है कि घर पर उपयोग करने के लिए उगाये गये अनाज में अब देशी खाद का ही प्रयोग करते हैं। रबी की फसले गेहूं, चना, जौ, सरसों, आदि की बुवाई हुई है और इन फसलों में घर पर ही तैयार गोबर का देशी खाद झाड़ोल, पिण्डवाड़ा की महिला किसानों ने उपयोग किया है। सब्जियों में भी गोबर का देशी खाद ही उपयोग कर रही है।

4. मुर्गीपालन - पिण्डवाड़ा और गलियाकोट ब्लॉकों के कुल 4 किसान महिला समूहों की 40 महिलाओं को मुर्गीपालन का प्रशिक्षण दिलाकर 6 सप्ताह के 10- 10 चुजे प्रत्येक महिला को दिलाये गये हैं। इन चुजों के लिए पोषण आहार स्वयं महिलाओं ने ही खरीदा है। अभी ये चुजे बड़े हो गये हैं। महिलाओं का कहना है कि इन चुजों से मुर्गी के अण्डों की संख्या बढाकर मुर्गे तैयार कर आजीविका चलायेंगे। नादिया निवासी लक्ष्मीबाई ने बताया कि अकलेश्वर नस्ल के चुजे मिलने से आजीविका का नया स्रोत मिला है एक वर्ष में इनकी संख्या बढाकर दुगुनी कर देंगे और अण्डे व मुर्गे बेचकर आजीविका चलायें।

5 औषधिय पौधे - मानसून के दौरान वन-विभाग के माध्यम से ग्राम पंचायतों में निःशुल्क औषधिय पौधे वितरित किए गये थे जिनमें तुलसी, सहजन, नीम, आंवला, आदि के पौधे माकड़ादेव, सेलाणा, धरियावद ब्लॉक में महिलाओं ने खेतों के किनारे पौधारोपण किया गया।

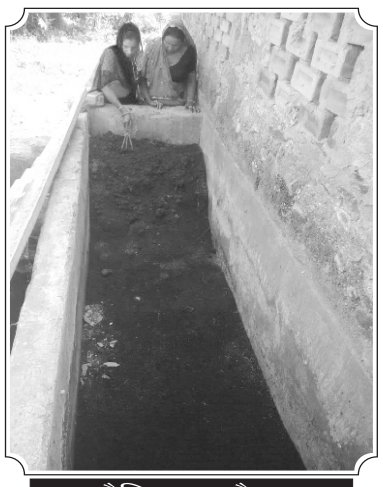

जैविक खाद तैयार करते महिला किसान।

कविता
महिला किसान

कई मन की शिलाओं को,
जो ज़िद से ठेल देती है।
नमन उस यौवना को है,
जो हल से खेल लेती है।
हो महीना जेठ का या पूस का, सब एक जैसे है।
ये बेटी हैं किसानो की,
कठिन श्रम झेल लेती है।
मधुर झंकार पायल की उसे ना रास आती है,
नहीं ऐसा कि सजना ओ संवरना, भूल जाती है।
नहीं ख्वाबों में उग जायेगा दाना, जानती है वो
वो सपनों को भिगोकर, खेत से उड़ेल देती है।

जैविक खेती ही है हल, आज नही तो कल।
जैविक खेती रोग भगाये, किसानों की आय बढाये।
जैविक खेती ग्लोबल वार्मिंग घटाये।
आज नही तो कल, जैविक खेती ही है हल ...

~~~ गीत ~~~

अरर म्हारो राजस्थान, बिना पाणी के प्यासो मरगो रे
के पाणी ना बरसो रे .....
पाणी ना बरस्यो, पाणी ना बरस्यों, मेहर ना बरसों रे.....
के कोरो ही गरज्यों रे ...
अरर म्हारों राजस्थान
झूठा पड़ ग्या पण्डित ज्योशी, झूठा पड ग्या पतरा रे..
महादेव अर पार्वती, अरे! कहा निकल गये रे
के पाणी ना बरसो, अरर म्हारों राजस्थान .....
पाताल फोड मशीना काडे जगह जगह से पाणी रे....।
या तो ईश्वर की ही मर्जी रे, खुदाई सातो जात से माटी रे
अरर म्हारों राजस्थान .....
कुआँ तो पाताल बैठगो, सूख गये झरना, नन्दी रे...
पाणी को न बरस्यो भगवान, मैं तो खोदती नन्दी रे
के दुनिया खोदती कन्दी रे.....।
अरर म्हारो राजस्थान, बिना पाणी के प्यासो मरगो रे।

- कैलाशी बाई (मामचारी, करौली)

जैविक खेती की पद्धति सीखने के लिए शैक्षणिक भ्रमण

समय की है एक ही मांग, जैविक खेती अपनाये किसान ...

जैविक खाद तैयार करने का प्रशिक्षण देते अधिकारी।

इन्दौर (म.प्र.)। दिनांक 23 से 28 नवम्बर, 2021 को अहिल्या माता गौशाला इन्दौर में आयोजित छः दिवसीय कार्यशाला में प्राकृतिक, जैविक खेती की पद्धति सीखने हेतु देश के विभिन्न राज्य राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर–प्रदेश, मध्यप्रदेश के किसानों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में एकल नारी शक्ति संगठन की 3 महिला किसान लीडर्स ने भाग लिया।

छः दिवसीय कार्यक्रम के दौरान बायो इनपुट सेन्टर की पंचायत या ग्राम स्तर पर आवश्यकता, मटका खाद, बिस्तर खाद, कान्दा पानी घोल जैसे इनपुट की तैयारी की प्रक्रिया, कीड़ों का प्रबन्धन जिसमें खाद, पत्तियों एवं फसलों के रस को निचोड़ देने वाले कीड़ों के बारे में जानकारी दी गई एवं उनको घरेलु एवं देशी तरीके से कम खर्च वाले बचाव के उपाय भी बताये जैसे अदरक–लहसून एवं मिर्च का घोल, छाछ छिड़काव आदि। प्रशिक्षण के तीसरे दिन किसानों को माण्ड़लेश्वर के बी.आर.सी. (जैव इनपुट संसाधन) केन्द्र पर ले जाया गया, जहाँ विस्तृत रूप से जैविक फर्टिलाईजर, पत्तियों के रस से कीटों से बचाव के लिए बनाए जा रहे सोल्यूशन के बारे में बताया गया।

चौथे दिन जागृति जैविक इकाई डेढ़ तलाई, बुरहानपुर का दौरा किया गया जहां 'AKRSP तकनीकी सहयोग से ''जय अम्बे महिला समूह'' द्वारा संचालित BRC का भ्रमण एवं उनके संचालन में आ रही मुश्किलों की जानकारी एवं महिलाओं द्वारा सुव्यवस्थित रूप से केन्द्र को चलाने के तरीके पर चर्चा की गई। पांचवें दिन किसानों को भिन्न समूहों में बांटकर उनके द्वारा BRC खोलने का बिजनेस प्लान एवं मॉडल तैयार करवाना सिखाया गया।

जन–जन की यही पुकार, जहर मुक्त मिले आहार।

– शेष पृष्ठ 1 का बहिनादूज ....

उत्सव का आयोजन किया। संस्थान द्वारा कोटा, टोंक, झालावाड़ व अजमेर में बहिनों ने जिला स्तर पर इस कार्यक्रम का विशाल आयोजन किया।

कोटा में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त श्री के. सी. मीणा, महिला अधिकारिता विभाग उपनिदेशक श्री मनोज मीणा, राजस्व अपील अधिकारी श्री भागवंती जेठवानी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती ममता तिवाड़ी, उप निदेशक स्थानीय निकाय सुश्री दिप्ती मीणा, सहायक कलेक्टर सुश्री पार्थवी व अन्य संस्था/संगठन के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। अजमेर, झालावाड़ व टोंक जिला स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा भाग लिया गया। ब्लॉक व पंचायत स्तर के बहिनादूज कार्यक्रम में सरपंच, सचिव, वार्ड पंच, अध्यापक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व अन्य पंचायत स्तरीय सरकारी व गैर सरकारी विभाग के प्रतिनिधियों के द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लेकर व सहयोग करके सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान सभी बहिनों ने बहिनादूज की रस्म निभाते हुये। एक दूसरे को तिलक निकाला रक्षा सूत्र बांधा व एक दूसरे के सुख-दुःख में साथ निभाने का वादा किया।

साथी हाथ बढ़ाना

एक अकेला थक जाये तो मिलकर बोझ उठाना।

कोरोना काल में एकल महिलाओं को मिला संगठन से सहयोग

हम सभी जानते हैं कि कोविड -19 की दूसरी लहर बहुत ही भयानक आई जिसमें कोरोना के कारण सैंकड़ो जिन्दगियां पलों में ही समाप्त हो गई, इस कोविड काल के कारण देश में हजारों लाखों बहिनें एकल हो गई और हजारों बच्चे अनाथ हो गये। ऐसी स्थिति में जब एकल बहिनों के पास कोई आजिविका का कोई साधन नहीं था और बच्चों का भरण पोषण करने वाला कोई नहीं था। उस स्थिति में राजस्थान में एकल नारी शक्ति संगठन की बहिनों द्वारा ऐसी एकल बहिनों की पहचान की गई जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय थी। ऐसी महिलाओं को संगठन द्वारा पहचान कर आर्थिक मदद व राशन सामग्री देकर सहयोग किया गया। संगठन द्वारा राजस्थान में 16 जिलों के 36 ब्लॉक की 99 पंचायत व 29 वार्डो में 3520 एकल महिला परिवारों को एक माह की सूखी सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही 27 जिलों की 193 एकल महिला व कुछ अनाथ बच्चे जिनका आजिविका का कोई सहारा नहीं था, उन्हें 13,26,500.00 रुपये (अक्षरे तेरह लाख छब्बीस हजार पांच सौ रुपये) की आर्थिक सहायता प्रदान कर सहयोग किया गया।

मुसीबत में बढ़ते मदद के हाथ ...

व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से मृतक परिवार के लिये जुटाया सहयोग

करौली। पंचायत मामचारी, तह.-करौली जिला-करौली में गत अगस्त 2021 में भूरा जाटव उम्र 38 वर्ष ससुराल कल्याणी गांव मे रहता था। वह काम करने के लिए कोटा आया। परिवार मे पत्नि व चार छोटे बच्चे है। जब कोटा आया तो 2 दिन काम किया और उसके बाद व मृत मिला। उसके परिवार की स्थिति बहुत ही दयनीय थी। घर में छोटे-छोटे बच्चों के पास खाने को कुछ नहीं ऐसे में संगठन कार्यकर्ता व सदस्यों ने अन्य लोगों को जोड़कर एक वाट्स ग्रुप बनाया। जिसका नाम ''सहयोग भूरा मिशन'' रखा गया। जिसमें भूरा जाटव की पत्नि के बैंक खाता संख्या व उसका पूरा विवरण शेयर किया गया। भामाशाह लोग इसे पढ़कर सहयोग को आगे आये और स्वेच्छा से मदद राशि बैंक में डाली । इस प्रयास से भूरा जाटव के परिवार को 25000 रुपये का आर्थिक सहयोग मिल सका। यह राशि उस परिवार के विकट समय में संबल के रूप में काम आयी। इस कार्य को सभी लोगों ने सराहा और कार्यकर्ता कैलाशी बाई ने सभी का आभार जताया।

झालावाड़ : पंचायत-टाडी सोहनपुरा, तहसील झालरापाटन की निवासी सावित्री बाई जो कि विधवा गरीब महिला है तथा संगठन की बहुत पुरानी सक्रिय सदस्य भी है। कोविड की दूसरी लहर के समय उसके 2 साल के पोते की तबीयत बहुत खराब हो गई थी। जिसके कारण उसकी आंतो का ऑपरेशन करना पड़ा। उस समय कोरोना के कारण किसी सरकारी अस्पताल में बच्चे का ईलाज नहीं हो पाया। सावित्री बाई के पास ऑपरेशन का पैसा नहीं था। उसने संगठन की बहिनों को अपनी समस्या बताई। संगठन कार्यकर्ताओं ने वाट्सअप पर यह समस्या साझा की तो संगठन की बहिनो व अन्य भामाशाह ने 21000 / रु. का चन्दा उसके ईलाज के लिये दिया। जिससे बच्चे का सही प्रकार से ईलाज हो सका। उसका पूरा परिवार संगठन का धन्यवाद अदा करता रहा । सावित्री बाई ने कहा कि आज हमें संगठन का मतलब समझ आया कि सब लोग वास्तव में एक दूसरे के दुःख दर्द को समझते हैं और एक दुसरे की मुसीबत में मदद भी करते हैं।

मानवता परमोधर्म।

घायल बैल की जान बचाकर दिया उदाहरण–कैलाशी बाई

करौली। मानवता परमो धर्म कहा जाता है कि मानवता ही परम् धर्म है चाहे वो इंसानों के लिए हो या जानवरों के लिए ऐसे ही कई उदाहरण संगठन की एकल बहिनें प्रस्तुत करती रही है। अभी ऐसा ही एक मामला आया जिला करौली तह. -करौली,पंचायत- मामचारी में रहने वाली संगठन कार्यकर्ता कैलाशी बाई का, यह भी कहा जाता है कि बच्चों को संस्कार माता-पिता से ही मिलते है। जितनी कैलाशी बाई सेवा भावी है, उनका बेटा भी उतना ही सेवा भावी है।

कैलाशी बाई

उनके गांव में किसी ने एक बैल की पीठ पर कुल्हाडी मार दी जो अन्दर घुस गई। जिससे वह बहुत बडा बैल 3 दिन तक परेशान होता रहा। वह कुल्हाडी के मारे तीन दिन से बैठ भी नहीं पा रहा था। उसके पैरों मे बहुत सूजन आ गई। जिसे एकल महिला के बेटे ने देखा तो बैल का दर्द देखकर उसका दिल पसीज गया। उसने लडकों की एक टीम बनाकर उसको निकालने की कौशिश की परन्तु बैल किसी को पास नहीं आने दे रहा था। कैलाशी बाई के बेटे ने कैलाशी बाई को बैल की फोटो भेजी ओर सारी समस्या बताई।

कैलाशी बाई उस समय कलेक्ट्री में किसी काम के लिए गई हुई थी। उसने एडीएम साहब को यह बात बताई तो एसडीएम साहब ने पशु चिकित्सालय वालों फोन कर मामचारी गांव में टीम भेजी। टीम द्वारा बैल को दौड़ाया गया। तब जाकर उसकी कुल्हाड़ी गिरी, फिर बैल की मरहम पट्टी की गई। गांव के लोगो ने दोनो माँ-बेटे को बहुत बहुत धन्यवाद दिया गया।

एकल महिला राज्यस्तरीय नैतृत्वकर्ता दो दिवसीय बैठक

एकल महिला नैतृत्वकर्ता राज्य स्तरीय बैठक आयोजित

लड़ रहे हैं–जीत रहे हैं ...

अबला नहीं है एकल नारी,संघर्ष हमारा रहेगा जारी।।
हर जोर जुल्म की टक्कर में, संघर्ष हमारा नारा है।।

इसी प्रकार के जोशपूर्ण नारों के साथ दिनांक 28-29 नवम्बर, 2021 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र बेदला, उदयपुर में राज्य स्तरीय एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिसमें राजस्थान के 27 जिलों की 65 एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया। दो दिवसीय बैठक में संगठन के चार माह की रिर्पोट का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिसमें निकलकर आया कि चार माह में संगठन के 2981 नई एकल महिला सदस्य जुड़ी व संगठन की कुल सदस्य 81,604 हो गये। बैठक में कोराना में एकल हुई महिलाओं से जुड़ी समस्यायें व सरकार द्वारा उन्हें दी जाने वाली पैंशन व मुआवजा राशि के बारें मे चर्चा की गई। जिसमें निष्कर्ष निकला कि कोराना से विधवा हुई महिलाओं की भी 500 रु. ही पैंशन मिल रही है, साथ ही जिन लोगों को कोरोना था, परन्तु वह पैसे व संसाधन के अभाव में अस्पताल नहीं पहुंच पाये और उनकी मृत्यु हो गई। उनको सरकार द्वारा कोरोना का कोई सबूत नही होने के कारण किसी प्रकार के मुआवजे का लाभ नहीं मिल पा रहा है। संगठन की आगे की कार्यनिति तय की गयी। जिसमें आगामी 4 माह के मुख्य मुद्दे तय किये। एकल महिला व जमीन सम्पत्ति, किसान एकल महिला सशक्तिकरण, एकल महिलाओं की समस्याओं का समाधान व कोराना जागरुकता कार्यक्रम तय किया गया।

परित्यक्ता महिलाओं को पेंशन शुरू करवाने के लिए निम्न प्रपत्र की आवश्यकता होगी।

ऐसी परित्यक्ता महिलायें जिन्हें पति से अलग रहते हुये तीन वर्ष से अधिक हो गये हैं। वह पेंशन की पात्र है।
परित्यक्ता प्रमाण पत्र बनवाने के लिए निम्न प्रपत्र बनवाकर पेंशन चालू करवा सकती है।

ग्रामीण क्षेत्र की परित्यक्ता महिलाओं को पेंशन स्वीकृती
बाबत जारी किये जाने वाले प्रमाण पत्र हेतु रिपोर्ट

क्रमांक : दिनांक :

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार के आदेश क्रमांक एफ 09(05) (12-1) सान्याअवि/2013-14/460146 जयपुर दिनांक 24-05-2013 के अनुसरण में प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती ..... पिता/पती श्री .... निवासी ..... अपने पति से तीन वर्षो से अधिक समय से पति से अलग रह रही है एवं पति से कोई सम्बन्ध नहीं है।

यह रिपोर्ट आज दिनांक ..... को जारी की जाती है।

(हस्ताक्षर)
ग्राम सचिव
जारी कर्ता का नामः .....
मोहर : .....

(हस्ताक्षर)
पटवारी
जारी कर्ता का नामः .....
मोहर : .....

शहरी क्षेत्र की परित्यक्ता महिलाओं को पेंशन स्वीकृती
बाबत जारी किये जाने वाले प्रमाण पत्र हेतु रिपोर्ट

क्रमांक : दिनांक :

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार के आदेश क्रमांक एफ 09(05) (12-1) सान्याअवि/2013-14/460146 जयपुर दिनांक 24-05-2013 के अनुसरण में प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती ..... पिता/पती श्री .... निवासी ..... अपने पति से तीन वर्षो से अधिक समय से पति से अलग रह रही है एवं पति से कोई सम्बन्ध नहीं है।

यह रिपोर्ट आज दिनांक ..... को जारी की जाती है।

(हस्ताक्षर)
सफाई निरीक्षक
जारी कर्ता का नामः .....
मोहर : .....

(हस्ताक्षर)
अधिशासी अधिकारी
जारी कर्ता का नामः .....
मोहर : .....

परित्यक्ता महिलाओं के पेंशन हेतु प्रमाण पत्र
(उपरोक्त रिपोर्ट के आधार पर उपखण्ड अधिकारी द्वारा जारी किया जायेगा।)

कार्यालय का नाम : .....
क्रमांकः ..... दिनांकः .....

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार के आदेश क्रमांक एफ 09(05) (12-1) सान्याअवि/2013-14/460146 जयपुर दिनांक 24-05-2013 के अनुसरण में प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती ..... पिता/पती श्री .... निवासी ..... अपने पति से तीन वर्षो से अधिक समय से पति से अलग रह रही है एवं पति से कोई सम्बन्ध नहीं है।

यह प्रमाण-पत्र की गई अनुशंषा के आधार पर आज दिनांक ..... को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मोहर से जारी किया जाता है।

(हस्ताक्षर)
उपखण्ड अधिकारी
जारी कर्ता का नामः .....
मोहर : .....

वाकिफ नहीं जमाना हमारी उड़ान से....

नाबालिग बंधुआ मजदूर बच्चों को करवाया मुक्त

चुन्नी बाई

मैं चुन्नी बाई गांव फलोज,पंचा. -चांदसेन, तहसील-लालसोट, जिला-दौसा की निवासी हूँ। मैं संगठन की बहुत पुरानी सदस्य व एक गरीब विधवा महिला हूँ। मैं गत 06.09.2021 को अपने गांव के जंगल में सुबह 9 बजे बकरियां चरा रही थी। मेरे साथ अन्य लोग भी वहां अपनी अपनी बकरियां चरा रहे थे। तभी वहां 7-8 लड़के जंगल की पहाड़ी से भागते हुये आये। उनकी उम्र लगभग 13, 15 व 19 साल थी। उन्हें देखकर मैंने उन्हें टोका कि ''कैसे आतंकवादियों की तरह भागे आ रहे हो ? तो लड़कों ने बताया कि ''हम सभी बांसवाडा, डूंगरपुर के रहने वाले हैं और हमें एक ठेकेदार ने डिब्बे बनाने का काम करना है ऐसा बोलकर लाया था। आगे उन्होंने बताया कि उन्हें डडवाडा पंचायत के पास स्थित डडवाडा फेक्ट्री में काम के लिए छोड़कर चला गया। यहां फेक्ट्री मालिक हमसे दिन रात काम करवाता है। हम अब यहां काम नहीं करना चाहते है और यहां से निकलना चाहते हैं परन्तु वह बोलता है कि तुम्हारे ठेकेदार को 70,000 रु. देकर तुम्हें रखा है अब हम तुम्हें नही जाने देंगे। आज हम वहां से बड़ी मुश्किल से भाग कर निकले हैं।

जब बच्चे अपनी बात बता रहे थे तभी वहां 3-4 मोटर साइकिलों पर फैक्ट्री मालिक के गुण्डे आ गये ओर बच्चों को जबरदस्ती बिठा कर ले गये। मैंने उन्हें टोका ओर बच्चों को छोड़ने के लिए बोला तो उन्होंने कहा कि '' तू अपना काम कर तुझे क्या लेना देना। हमनें पैसे देकर खरीदा है, तू ज्यादा नेतागिरी मतकर...।''

मैंने तुरन्त कोटा संस्थान के कार्यालय में फोन लगाया सारी घटना बताई कोटा कार्यालय से दौसा एसडीएम, चाईल्ड लाईन व जयपुर में बाल अधिकारिता विभाग में रीना शर्मा से बात की संगठन व संस्थान के प्रयास व दबाव से तुरन्त प्रभाव से कार्यवाही की ओर नाबालिग बच्चों को दूसरे दिन एसपी के सामने प्रस्तुत किया गया व उनके माता पिता को सूचना दी। फेक्ट्री मालिक पर भी कानूनी कार्यवाही की गई। इस प्रकार मैंने हिम्मत व साहस से उन बच्चों को बन्धूआ मजदूरी व शोषण से मुक्ति दिलाने का कार्य किया।

मैं अपने गांव से बाहर जंगल में रहती हूँ। मैंने अपनी जान की परवाह ना करते हुऐ बच्चों की मदद की। इस नेक कार्य को करके मुझे संतुष्टी तो मिली साथ ही बच्चों को आजादी भी मिली।

गांव में महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी

महिला ऑटो चालक– सुश्री पवनी

यह राह नहीं थी आसान, बस इतना समझ लिजिए।
एक आग का दरिया था, और डुब कर जाना था।

मेरा नाम पवनी गरासिया, उम्र-40 वर्ष अविवाहित एकल महिला पंचायत-मोरछ, प.सं. पिण्डवाड़ा, जिला-सिरोही की निवासी हूँ। मेरे परिवार में माता-पिता सहित 7 बहिन-भाई है। मेरे अलावा सभी का विवाह हो चुका है, मेरी दो बहिने अभी विधवा है, उनके विवाहित जीवन से मुझे जो सबक मिला, मैंने विवाह न करने का फैसला लिया। मेरे पिता लघु किसान होने के बावजूद हम सबको पढाया लिखाया।

मैंने कक्षा बारहवीं पढ़ने के बाद 2013 से 2019 तक गांव की आंगनवाड़ी में आशा सहयोगिनी के पद पर कार्य किया, जब महिलाऐं पंचायत में किसी काम से आती थी तो वहां महिलाओं को काफी दुत्कारा जाता, पंचायत वाले ना तो बात सुनते न काम करते थे। मेरे मन में ऐसा लगता था कि मैं सरपंच बन पाऊं तो सभी महिलाओं का काम खुद कर सकती हूं। लेकिन मैं उस समय आंगनबाडी मे कार्य करती थी। ज्यादा पंचायत वालों सें लड़ नहीं सकती थी वरना हटा दी जाती, लेकिन 2019 में जब चुनाव होना तय हुआ तो मेरी विचारधारा में बदलाव आया सरपंच पद पर खड़ी हुई मगर हार गई। उसी दौरान मुझे लगा मेरा सब कुछ खत्म हो गया, तो मैंने पुनः हिम्मत कर आंगनबाड़ी में अर्जी लगाई लेकिन खाली पद होने पर भी मेरी अर्जी अस्वीकार कर दी क्योंकि सरपंच पद पर खड़े होने के कारण सभी विरोधी हो गये थे। मेरे पास जो रोजगार का साधन था। वह भी छीन चुका था। मेरे घर में मेरी माता-पिता, विधवा बहन व उसके 2 बच्चों की व स्वयं की जिम्मेदारी थी, आर्थिक रूप से काफी समस्या होने लगी।

एक दिन सोचा नोकरी के भरोसे नहीं रहना चाहिए, फिर मैंने ऑटो चलाने की सोची एक पुराना ऑटो 1 लाख 30 हजार का ऋण लेकर खरीदा ओर स्वयं चलाने का प्रयास किया। धीरे -धीरे सवारी बैठाकर चलाने लगी और हिम्मत आने लगी। अब मैं रोज 500-600 रुपये कमा लेती हूं। जिससे मेरे परिवार का गुजारा चल रहा है, अब ऑटो का ऋण भी चुका लिया बची राशि से घर में किराना की दुकान लगायी अभी एक आटा चक्की भी खरीदी है। यह सब कुछ करना मेरे लिए इतना आसान नही था। इसमें मुझे कई चुनौतियां आयी। पुलिस वाले आये दिन किसी ना किसी कारण से मेरा चालान काट देते थे, स्टैण्ड पर पुरुष आटों वाले मुझसे कहते बिना नम्बर के जाने नही देंगे नम्बर लगाओ। ऐसे में मैं अकेली महिला कब तक वहा खड़ी रहती।

महिला ऑटो चालक- सुश्री पवनी

<u>हम कोई दृढ निश्चय करले तो बदलाव को कोई नहीं रोक सकता</u> -अब मेरे ऑटो चलाने से मेरी एक मौसी की लड़की मेघी ने भी यह कार्य शुरु किया। अब सारे पुलिस व ट्रैफिक वालों की सोच बदली थानेदार ने सबको बोल दिया कोई महिला ऑटो चालक का चालान नहीं काटेगा। वहीं स्टैण्ड पर भी अब पुरुष ऑटो वाले कुछ नही कहते उनको बोल दिया कि जब तक कोई और महिला ऑटों चालक नही आती तब तक वह नम्बर मे नही लगेगी। अब काम रोजगार को लेकर लोगो की सोच में बदलाव आया।

गीत

मै तो बहिनादूज मना आ आई,
देख री सहेल्या म्हारी चतुराई ...।
मिटिंगा मे चाली, मे तो ट्रेंनिगां मे चाली
मैं तों नई-नई जानकारी ले आई .....
देख री सहेल्या म्हारी चतुराई... ।
मेहन्दी भी लगाउ, मै तो बिन्दी भी लगाउ....।
मैं तो लाल चुनरिया पहर कर, नाच आई ...।
देख री सहेल्या म्हांरी चतुराई...।
राखी भी मनाई म्हांने, भाई दूज मनायी
ईद भी मनाई म्हानें तीज भी मनाई...।
मैं तो संगठन मे , बहिनादूज मना आई ...।
देख री सहेल्या.....।
मै तो सामाजिक कुरितियाँ तोड़ आई
देख री सहेल्या म्हारी चतुराई।
मै तो नयो त्यौहार मना आई
देख री सहेल्या म्हारी चतुराई
मै तो सारी बहिना के, राखी बांध आई...।
देख री सहेल्या म्हारी .....

एकल बहिनों का मुख्यमंत्री जी के नाम पत्र

आदरणीय मुख्यमंत्री जी,
हम सभी बहिनों का आपको
प्यार भरा नमस्कार।

हम सभी राजस्थान की एकल बहिनें लम्बे समय से पेंशन राशि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। महंगाई दिनों दिन बढ़ती जा रही है और पेंशन राशि बहुत कम है। देश के कई राज्यों में विधवा एकल महिलाओं की पेंशन की राशी राजस्थान से ज्यादा है। राजस्थान में 60 वर्ष से कम उम्र वाली एकल महिलाओं को केवल 500 रूपये पेंशन राशि दी जाती है। जोकि सभी राज्यों से बहुत कम है। आपके द्वारा कोरोना से विधवा हुई महिलाओं के लिए 1500 रूपये पेंशन का प्रावधान किया है। लेकिन हम महिलायें जो पहले से विधवा है उनकी पीड़ा भी उतनी ही है।

अतः हमारा आपसे नम्र निवेदन है कि कृपया हमारी पेंशन राशि भी बढ़ाई जानी चाहिए।

राजस्थान की समस्त गरीब एकल बहिनों की ओर से ....

कुछ राज्यों में विधवा पेंशन राशि का विवरणः–

क्र.	राज्य	पेंशन राशि (रू.)
1.	दिल्ली	2500 रूपये
2.	पंजाब	1500 रूपये
3.	उत्तराखण्ड	1400 रूपये
4.	गुजरात	1250 रूपये
5.	हिमाचल	1000 रूपये
6.	झारखण्ड	1000 रूपये
7.	प. बंगाल	1000 रूपये
8.	मध्य प्रदेश	600 रूपये
9.	राजस्थान	500 रूपये

आओ जानें मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना के बारे में

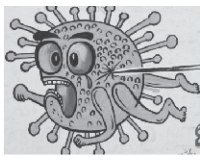

राजस्थान सरकार द्वारा कोविड-19 माहमारी से पिड़ित परिवारों के लिए राहत पैकेज निम्न प्रकार से है-

योजना का उद्धेश्य :- कोरोना महामारी से अनाथ हुये बच्चों, विधवा महिलाओं एवं उनके बच्चों को राज्य सरकार द्वारा आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संबल प्रदान करना है। यह योंजना कोविड-19 के कारण 01 मार्च 2020 के पश्चात् कोरोना बीमारी से हुई मृत्यु के लिए सम्पूर्ण राजस्थान मे लागू है।

योजना के पात्र कौन-कौन है :-

• अनाथ बालक-बालिका जिनके माता-पिता दोनों की कोरोना के कारण मृत्यु हो गई।
• माता पिता में से किसी एक की मृत्यु पूर्व मे हो चुकी है तथा दूसरे की मृत्यु कोरोना के कारण हुई है।
• कोरोना से जिन महिलाओ के पति की मृत्यु हो चुकी है।

मुख्यमंत्री कोरोना विधवा सहायता राशि :-

कोरोना से विधवा हुई महिलाओं को 100000.00 (अक्षरे एक लाख रुपये) एक मुश्त अनुदान अलग से दिया जा रहा है। किसी महिला के पति की मृत्यु कोरोना से हुई है ओर कोविड का प्रमाण पत्र नही हैं और मृत व्यक्ति का कहीं ईलाज करवाया था या वह कहीं भर्ती था या वहाँ के आसपास के लोग गवाही देते है कि उसे कोरोना के लक्षण थे तो उसके लिए भी कोरोना पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है। प्रशासन स्वयं इसकी जाँच करेगा और सही पाया जाता है तो विधवा महिला को इसका लाभ दिया जायेगा।

आवेदन :- इसके लिए ई-मित्र पर जाकर आप कोरोना पोर्टल पर अपना आवेदन डाल सकते हैं। आप जिला कलेक्टर व तहसीलदार से भी मिल सकते है।

कोरोना से विधवा हुई महिला को देय पैंशन राशि:-

• कोरोना से विधवा हुई महिला को 1500 रु प्रतिमाह पेंशन राशि देय होगी, यदि किसी को इससे कम राशि मिल रही है तो वह जिला कलेक्ट्रेट मे जाकर इसकी शिकायत कर सकती है।

मुख्यमंत्री कोरोना पालनहार सहायता राशि :-

• विधवा महिला के बच्चे 18 साल की आयु पूर्ण करने तक 1000 रु प्रतिमाह दिया जायेगा
• विधवा महिला के बच्चे को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक विद्यालय पोषाक, पाठ्य पुस्तकें आदि हेतू 2000 रुपये एक मुश्त वार्षिक अनुदान दिया जायेगा।
• कोरोना मे जिन बच्चों के माता पिता दोनों की मृत्यु हो गई है, उन बच्चों को प्रतिमाह 2500 रुपये दिया जायेगा।

महिला भूमि अधिकार नारे

आओ हम सब मिलकर संकल्प उठायें,
हर महिला को जमीन सम्पत्ति में हक दिलवायें।
हम सब की है जिम्मेदारी,
महिलाओं को भी मिले जमीन में हिस्सेदारी।
आधा भारत नारी है,
जमीन-सम्पत्ति में बराबर की दावेदारी है।

राजस्थान सरकार द्वारा 01.01.2022 जारी विज्ञप्ति

कोविड- 19 से मृत व्यक्तियों के परिजन/रिश्तेदार को 50 हजार अनुग्रह राशि हेतू आवेदन

1. कोविड-19 से ग्रसित होने के उपरांत अस्पताल अथवा घर में जिनकी मृत्यु हुई ओर उनके मृत्यु प्रमाण पत्र मे मृत्यु कारण कोविड दर्ज है।
2. वे व्यक्ति जिनकी मृत्यु कोविड जॉच में पॉजिटिव आने की दिनांक अथवा क्लीनिकली कोविड पॉजिटिव पाये जाने के 30 दिन के भीतर हुई है, भले ही ऐसी मृत्यु अस्पताल के बाहर या उस व्यक्ति को कोविड नेगेटिव आने के बाद हुई हो।
3. ऐसे कोविड पॉजिटिव रोगी जिनकी मृत्यु निरन्तर अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान हुई है भले वह नेगेटिव आ गया हो।

उपरोक्तनुसार जारी कोविड-19 मृत्यु प्रमाण-पत्र के आधार पर मृत व्यक्ति के रिश्तेदार/परिजन द्वारा (आवेदक का जनाधार, आधार, मृतक का कोविड मृत्यु प्रमाण पत्र, मृतक से आवेदक के संबन्ध के दस्तावेज आदि) ई-मित्र कियोस्क के माध्यम से **emitra.rajasthan.gov.in** पर निः शुल्क ऑनलाईन आवेदन कर सकते है व समस्या आने पर अपने जिले के सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग मे सम्पर्क करे। विस्तृत जानकारी के लिए **https://sje.rajasthan.gov.in** पर जाये।

सेवा में, बुक पोस्ट

श्रीमान/श्रीमती .....

पता .....

.....

..... पिन कोड .....

एकल नारी शक्ति संगठन के सदस्यों की संख्या

क्र.सं.	जिला	ब्लॉक	सदस्य
1.	अजमेर	9	6805
2.	राजसमंद	1	2754
3.	सिरोही	1	1311
4.	डूंगरपुर	5	3099
5.	बांसवाड़ा	5	1977
6.	उदयपुर	8	6080
7.	भीलवाड़ा	6	4719
8.	जोधपुर	4	1976
9.	नागौर	3	3151
10.	जालोर	2	1359
11.	पाली	3	3056
12.	चित्तौड़गढ़	0	1371
13.	टोंक	5	2828
14.	बारां	4	4201
15.	बूंदी	3	2492
16.	अलवर	3	1765
17.	सवाईमाधोपुर	3	2497
18.	जयपुर	2	2193
19.	कोटा	6	5185
20.	दौसा	4	2360
21.	बाड़मेर	4	1952
22.	सीकर	3	2390
23.	चुरू	2	2683
24.	झालावाड़	4	4837
25.	जैसलमेर	0	1594
26.	करौली	3	1709
27.	प्रतापगढ़	4	1795
28.	भरतपुर	3	1640
29.	बीकानेर	0	545
30	हनुमानगढ़	2	932
31	झुंझनू	2	975
32	धोलपुर	2	774
33.	गंगानगर	1	469
जिले	कुल योग	106	83,474

आपके सुझाव आमंत्रित है।

एकल नारी की आवाज आपका अपना अखबार है। इसमें प्रकाशित पठन सामग्री पर आप अपनी राय या विचार हमें भेज सकते हैं। भविष्य में आप इसे किस रूप में देखना चाहते हैं तथा किन मुद्दों और विषयों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। हमें बता सकते हैं। आगामी अंक में आपके अमूल्य विचार व सुझाव सादर आमंत्रित है।

यदि कोई एकल महिला, एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में कोई जानकारी चाहती है या सदस्य बनना चाहती है अथवा अपने क्षेत्र को संगठन से जोड़ना चाहती है तो वह निम्न पते पर सम्पर्क करें -

एकल नारी शक्ति संगठन
3-पीपल्दा हाऊस, सिविल लाईन, कोटा -324001
फोन : 0744-2450726
ईमेलः ensskota@gmail.com
ईमेलः enssrajasthan@gmail.com